ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-६
दिनांक-शुक्रवार,१८ जनवरी,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २३.४ एवं ६.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ६.६ एवं दोपहर में २०.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा, सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१६ से २३ जनवरी, २०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १६ से २३ जनवरी, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल आ सकते है तथा इस अवधि में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। बिहार के उत्तर-पश्चिम तथा तराई के क्षेत्रों में कहीं-कहीं २२ जनवरी को हल्की बुंदा-बुंदी होने की संभावना बन रही है।
- अधिकतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ६ से ८ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। सुबह में कुहासा रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ३ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले २ दिनों तक पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- हल्की वर्षा/बुंदा-बुंदी की संभावना को देखते हुए कृषि कार्य जैसे कीटनाशक दवाओं के छिड़काव आदि में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। खड़ी फसलों में सिंचाई के लिए किसान भाई इंतजार कर सकतें हैं।
- इस समय आम एवं लीची में मंजर आने की संभावना अधिक रहती है। अतः किसान भाई अपने आम एवं लीची के बगानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया नहीं करें। इन बगानों में मधुआ एवं दहिया कीटों का प्रकोप कम करने के लिए वृक्षों में इमिडाक्लोप्रीड १७.८ एस०एल० अथवा साइपरमेथ्रीन १० ई०सी०@१.० मी०ली०/ली० पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें।
- पिछात फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर, मूली, मटर,बैंगन, टमाटर एवं मिर्च फसलों में निराई-गुराई एवं सिंचाई करते रहें। इन फसलों में रोग-व्याधि से बचाव हेतु कार्बेन्डाजीम (वेविस्टीन)@ 2.० ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें। गरमा सब्जी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें।
- आलू की फसल में कटवर्म या कजरा पिल्लू की निगराणी करें। यह कीट आलू में काफी हानी पहुचाता है। फसल की शुरुआती अवस्था में यह कीट रात्री बेला में जमीन की सतह से पौधे को काट डालता है। फसल के बाद की अवस्था में यह पौधे की शाखाओं एवं पत्तियों को काटता है। कंद बनने की अवस्था में यह कंद को खाता है। इस कीट का प्रकोप फसल में दिखनें पर बचाव के लिए क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ से ३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- अरहर की फसल में फल मक्खी कीट की निगराणी करे। इस कीट के मैगट सर्वप्रथम अरहर के पौधे के तने में छेद करके उसे खाते है। जिससें पौधे के तने एवं शाखाये सुखने लगती है। बाद में दाना आने पर बीजों को खाते है। जिस स्थानों पर मैगट खातें है, वहॉ कवक एवं जीवाणु उत्पन हो जाते है। फलस्वरूप ऐसे दाने खाने योग्य नही रह जाते है और उपज में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- मटर में फली छेदक कीट की निगराणी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियॉ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्युरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- पिछात गेहूँ में दीमक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर शाम के समय खेत में छिड़काव कर सिंचाई करें। समय से बोयी गई गेहूँ की ४० से ५० दिनों की फसल में दूसरी सिंचाई करें। अगात बोई गई गेहूँ की फसल जो ६० से ६५ दिनों की हो गई है, उसमें तीसरी सिंचाई करें।
- पशुपालक भाई दूधारु पशुओं का इस मौसम में विशेष ध्यान रखें। गाय एवं भैंस में खुरपका-मुँहपका बीमारी से बचाव के लिए टिका लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः २२.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.४ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः ८.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.६ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी